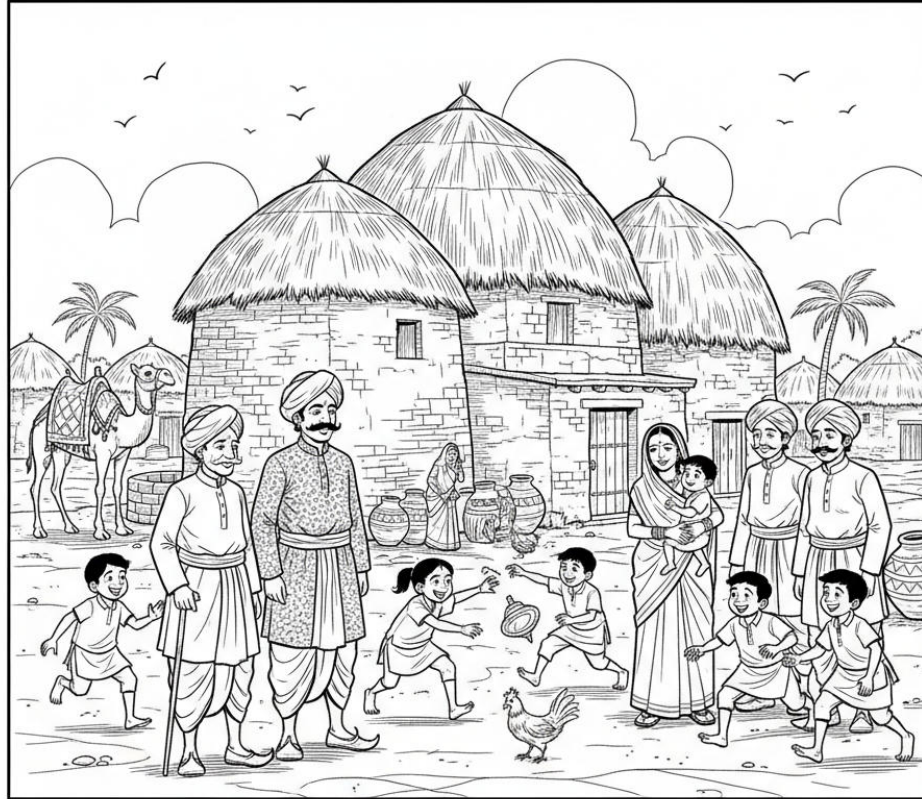


पौरिबार री एकता



Page 1

Bangani

पौरिबार री एकता

Bangani
uttarkashi, uttrakhand, india

For permission to reuse, contact the copyright holder.

Big book in Bangani language
Community based Book

परकाशण:-

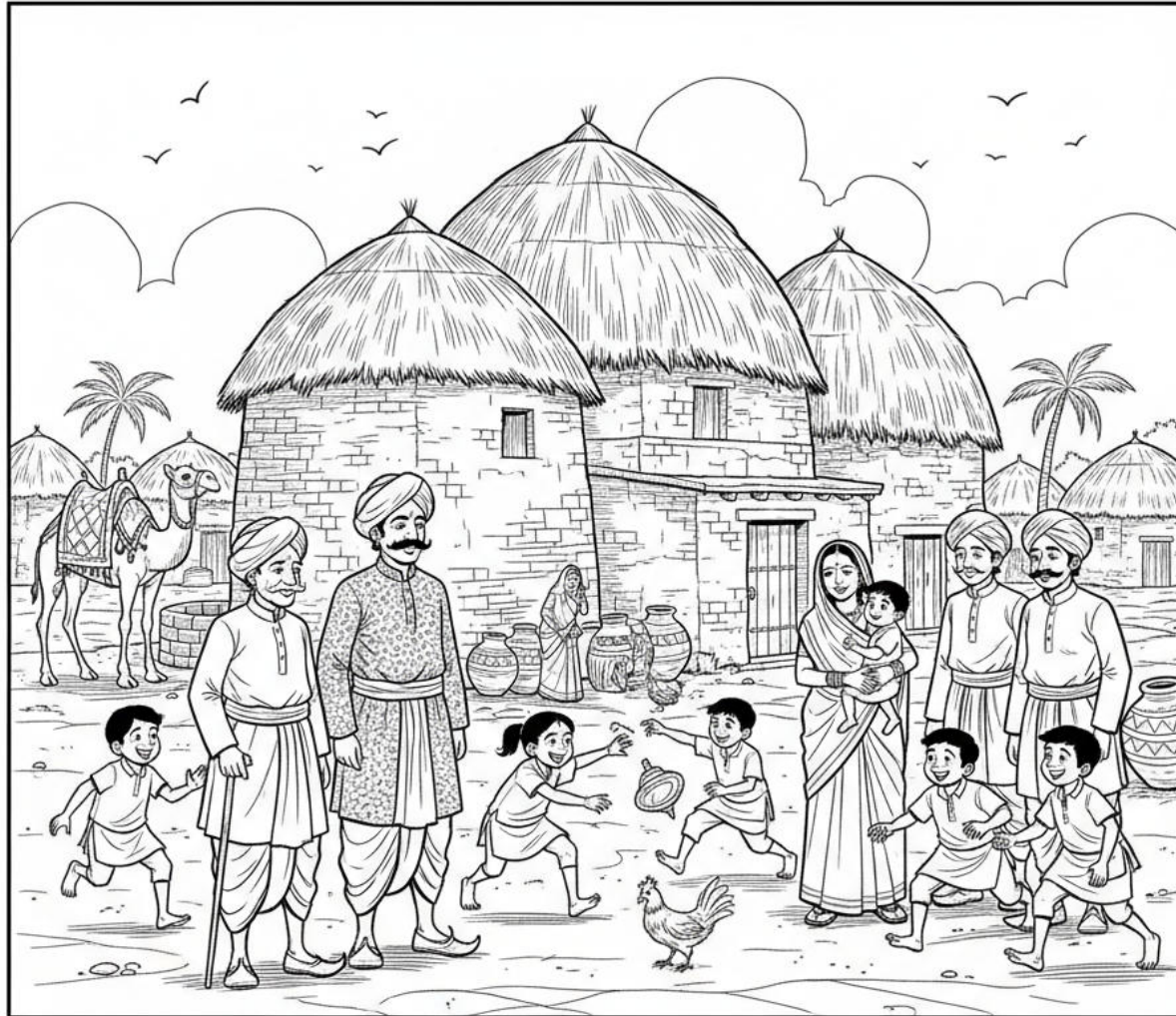
NLCI

बंगाणी मसी समिति समू

दो बात

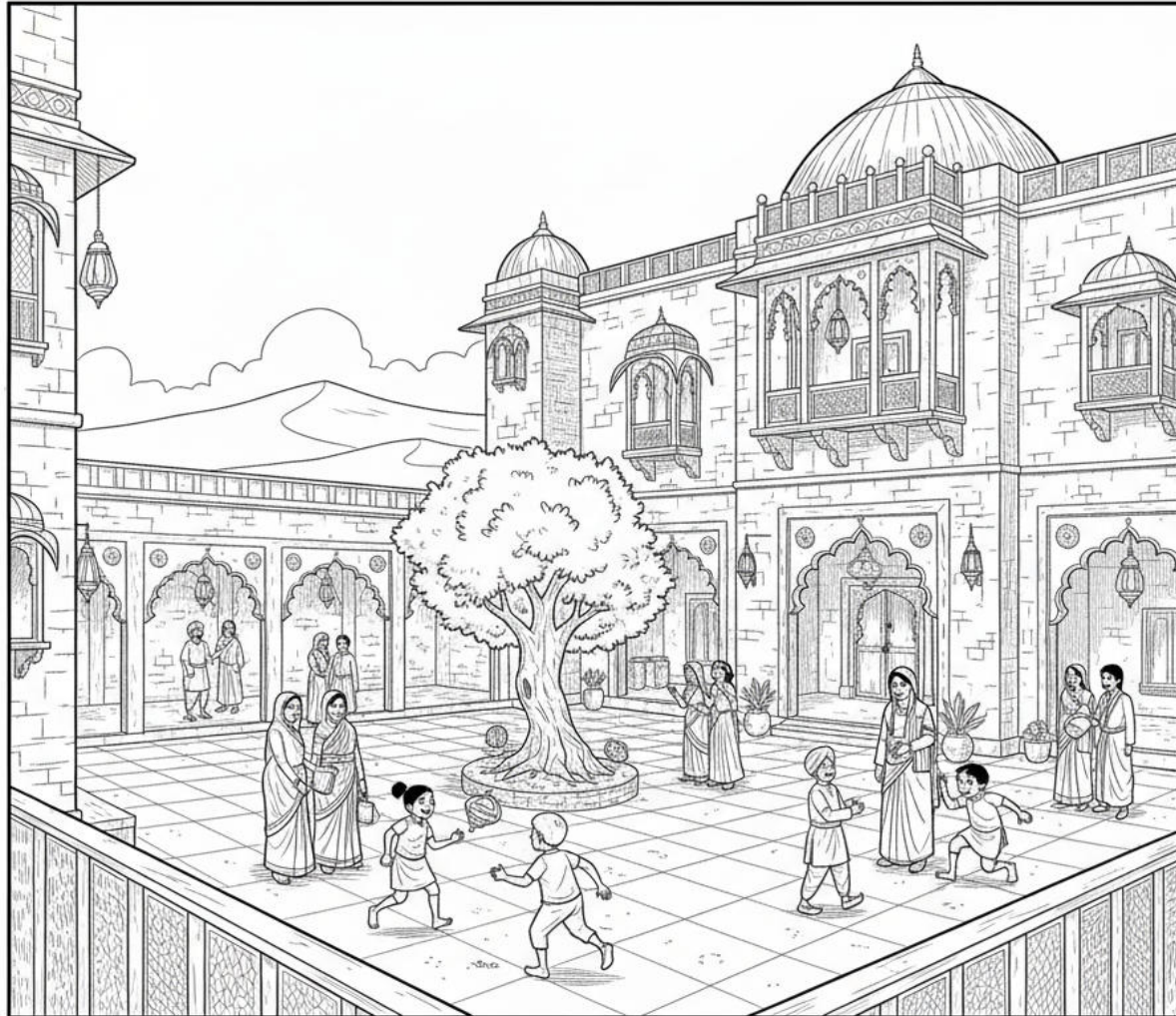
यह किताब बंगाणी भाषा में बनायी गयी है। इस किताब में एक कहानी है जिसे 10-12 पेजों में बनाया गया है और हर पेज में लगभग 2-3 वाक्य है। इस किताब में हर एक वाक्य के अनुसार चित्र भी डाला गया है। इन चित्रों के आधार से पढ़ने वाला कहानी बता सकता है और पढ़ाने वाला कहानी सुना सकता है। इस पुस्तक का उपयोग साक्षरता कार्यक्रम में किया जाता है। यह किताब बड़े ही आसान और बहुत ही कम शब्दों में और बहुत सरल रीति से बनायी गयी है। ताकी जो लोग पढ़ने की शुरूआती स्तर में हैं वह आसानी से इस कहानी को अपनी अपनी मातृ-भाषा में पढ़के आसानी से समझ सकें और अपनी मातृ-भाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास कर सकें।

॥धन्यवाद॥



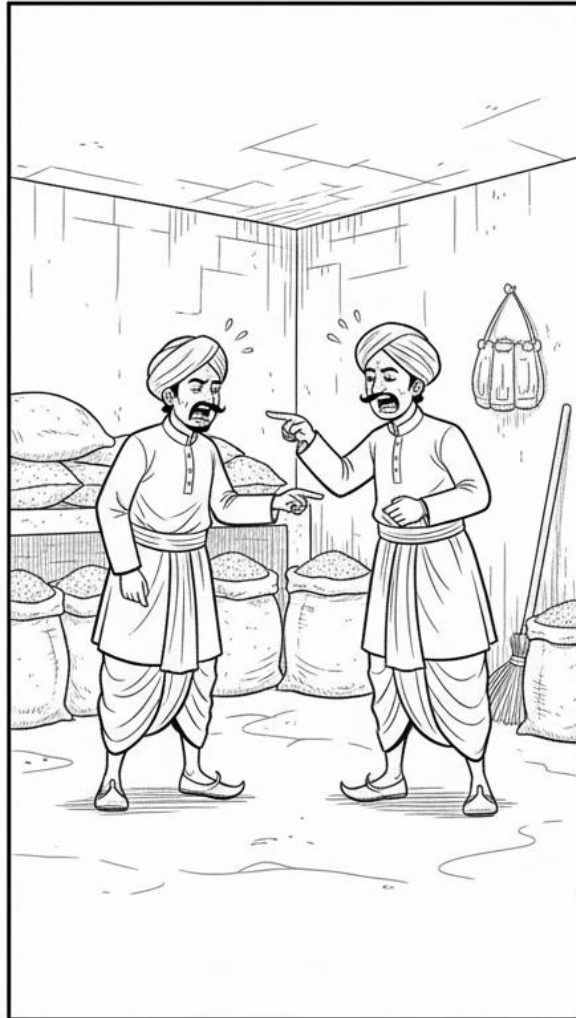
Page 1

एक गाउँ दि सोनु नौउँ रौ एक लौड़कौ
आपड़ै आमा पापा, औज़ि दुइ बाई
औज़ि बाबज़िउँ रै साथै रौयै थौ, औज़ि
पेटारौउँ री आवाज़ कौइ पुरौ गौर
रौइणा थौ।



Page 2

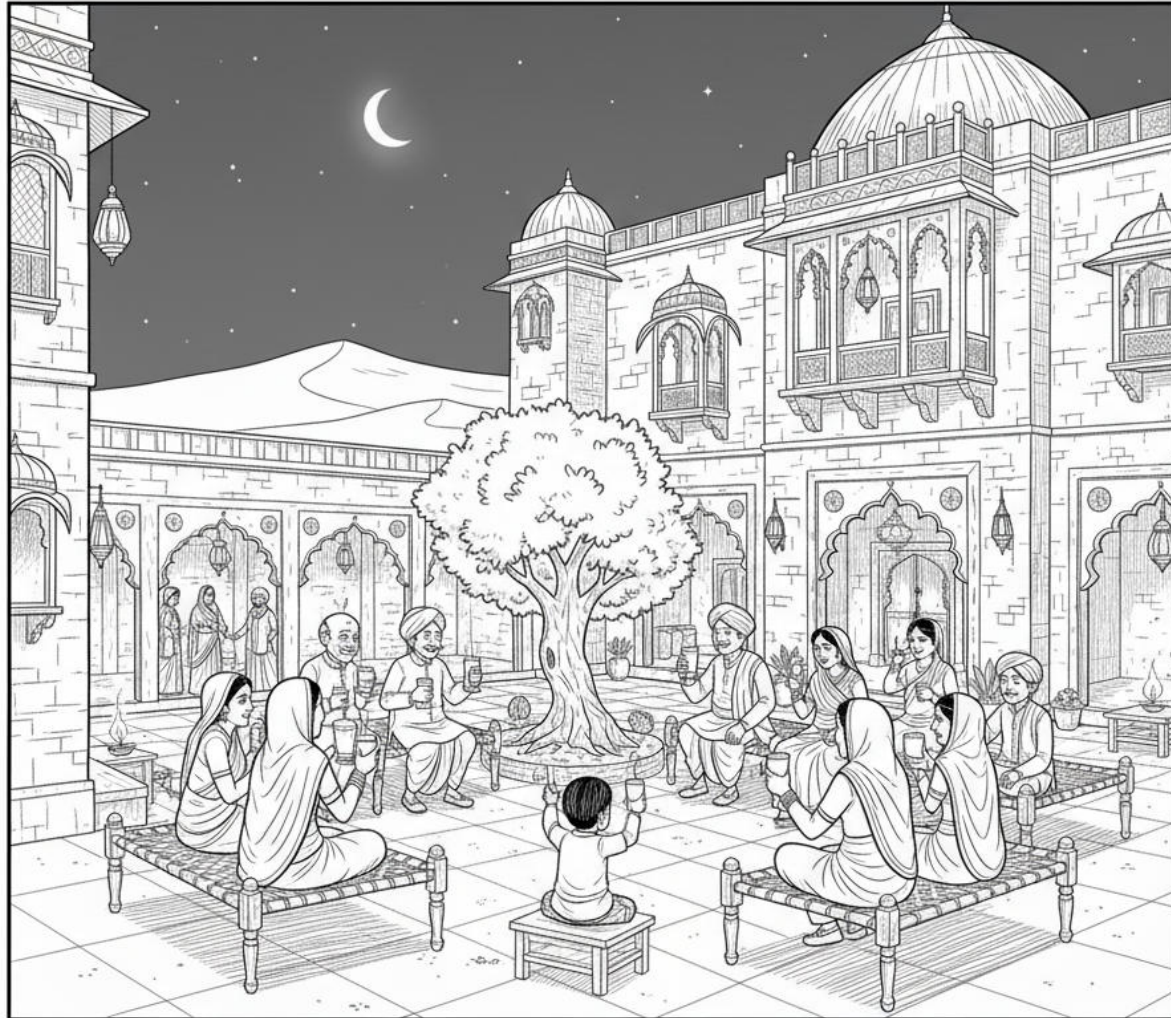
तिउंरी रौ काफी बौड़ौ गौर थौ, औज़ि सै
सारै ज़ौणै एक साथी रौयैण थै। औज़ि
गौरै काइ बाऽलै एक बौड़ौ मैदान थौ सै
सारै ज़ौणै तेस मैदान औयैण थै बोशौन्दै।



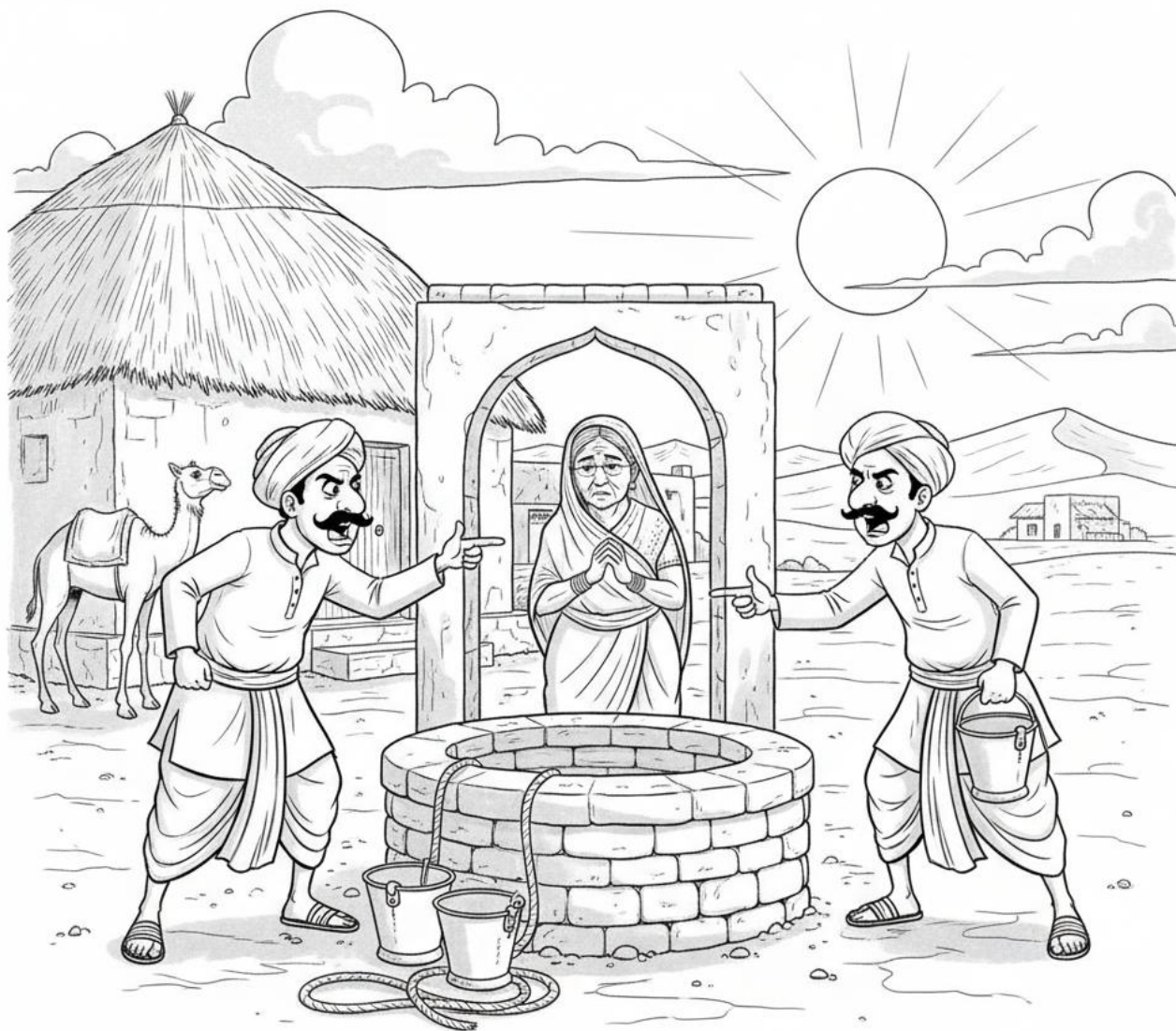
बौड़ौ पौरिबार औणे री बौज़ै कौइ सै
केत्रा केत्रा नाज़ बेचणे खि औज़ि
थौणेखि एक दुजै रै साथै ज़ुटियैण
थै, औज़ि केत्रा तिउंरी छेउडियै बी
रोसोइ दि काम कौरणे खि बैऽस बाज़ि
कौरैण थै।



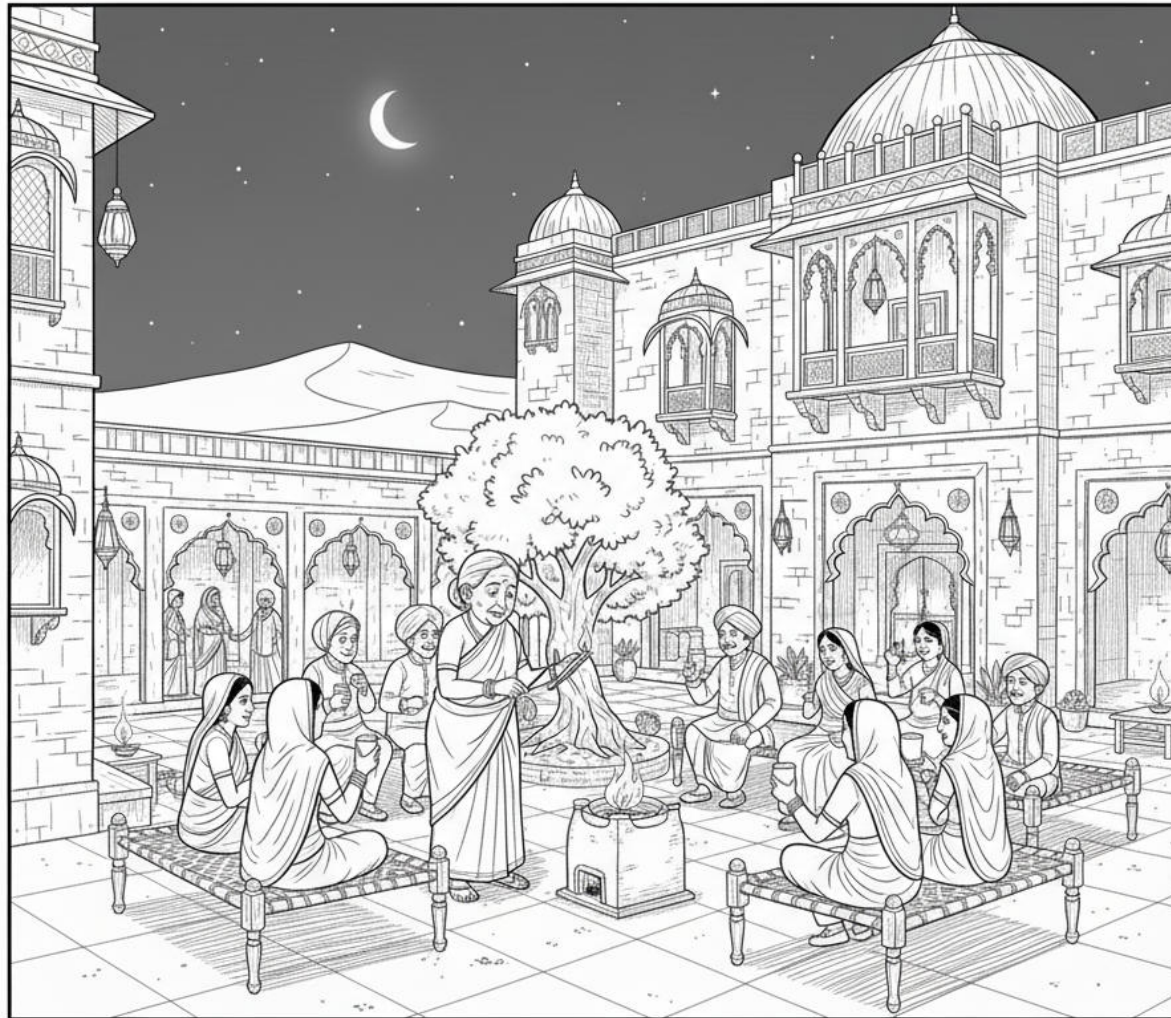
પેટારૈ બી કેત્રા રિલૌનૌઁ રિ આપસ
માઁ જુટિયૈણ થૈ, ઔજિ કેત્રા ઁંટ માઁ
બોશ્ણેરિ લૌડૈણ થૈ। ઔજિ કેત્રા પતંગ
ઁડાણે રિ લૌડૈણ થૈ।



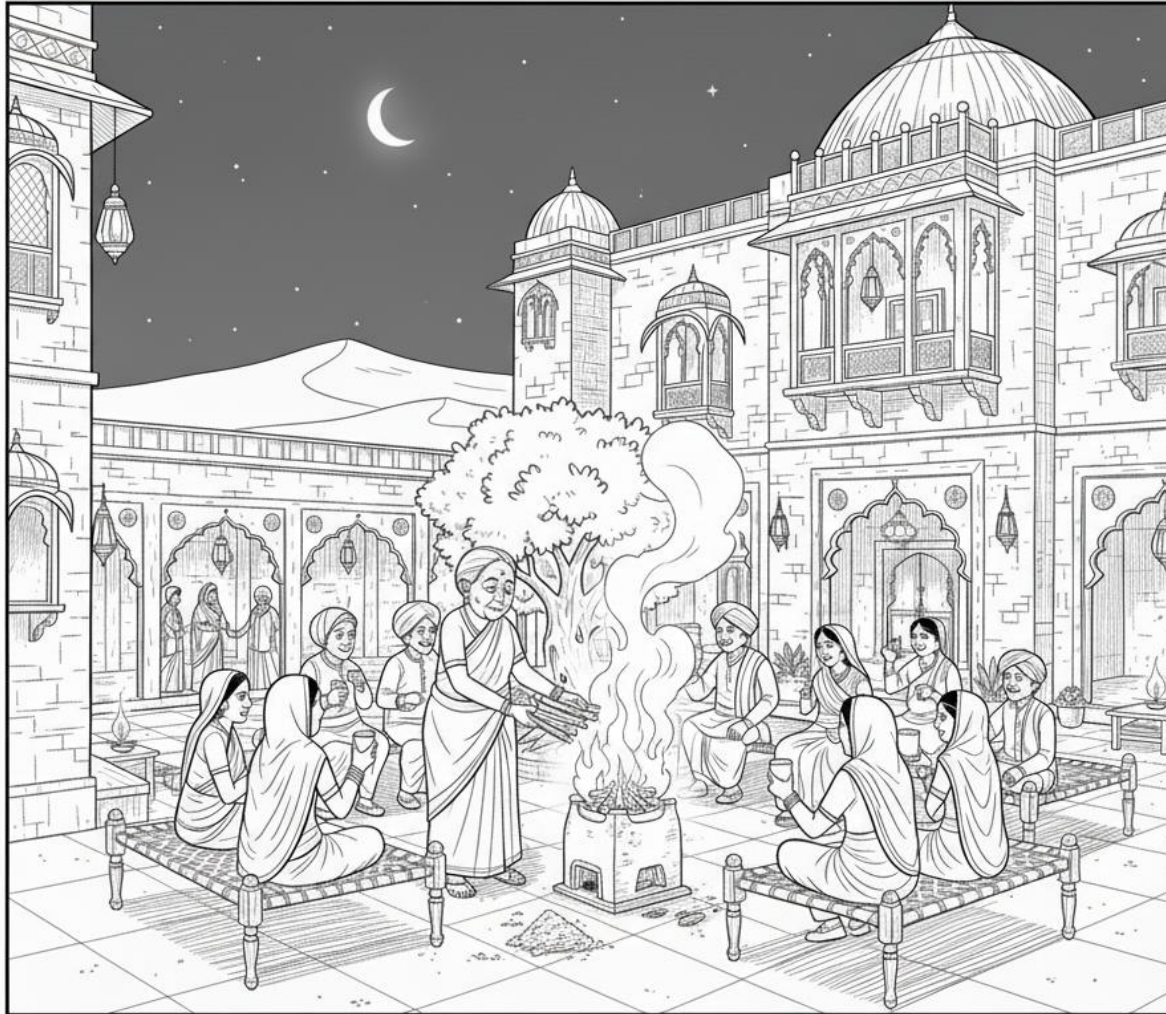
तैबै बी सै सारै ज़ौणै बियाळकै तेस
मैदान दि चारपाइ बिछाड़्यौ एक साथी
बोशैण थै। औज़ि सारै ज़ौणै आपस माइं
बुशै लाण थै।



एक दूस जौ सारै जौणै बाऽलै थै
बोशौन्दै, तेत्कै तिउं बाइउं री कुवै रौ
पाणि बाँटणेखि आपस माइं जौगड़ौ
उवौ। तिउंरी आमा एशौ देखियौ बौरी
दुखी उई।



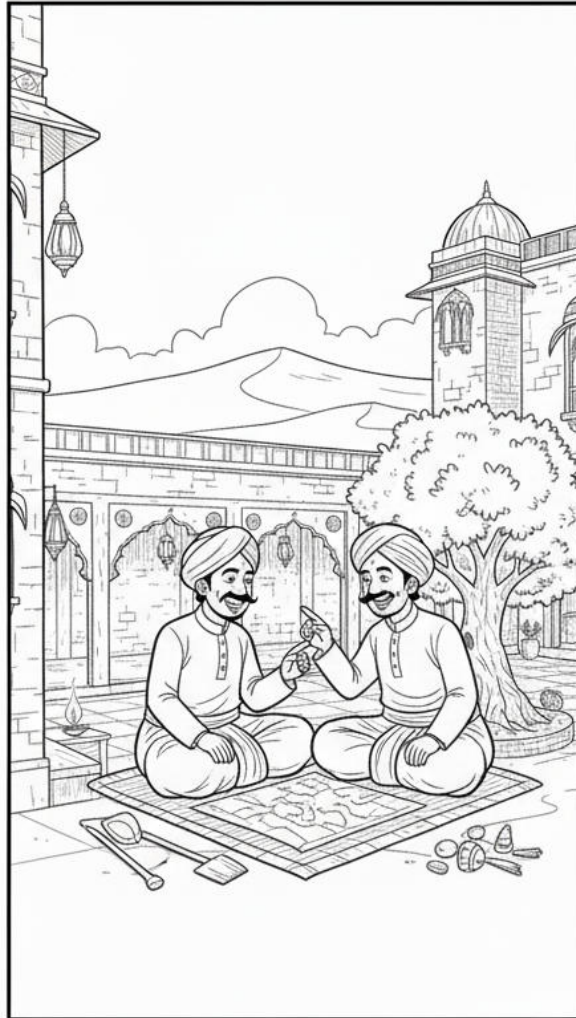
तिउंरी आमाइ सुंचौ कि इउंके एक
शिक जौरुरी जा देणनै, तियै एक
औगठी आणी औज़ि तीं पोरू एकाइ
लाकड़ौ जौळाऔ।



सेउ सौकाळी ज़ौळौ औज़ि तेसरौ छार
बौणौ। तैबै तियै काफी लाकड़ै एक
साथी ज़ौळायै, तेत्रा बौरी आग ज़ौळी
औज़ि सै आग मेसै ज़ौउं ज़ौळदु रौइ।



तिउंरी आमाइ बोलौ कि एखुलिया
लाकड़ौ सौकाळी ईशै। औज़ि एक
साथी लाकड़ै ज़ौळाइयौ गौरे दि आशौ
औज़ि गरम रौयै। औज़ि पौरिबार
बी एशौइ औयै एक साथी मिलियौ
मज़बुत बौणै।

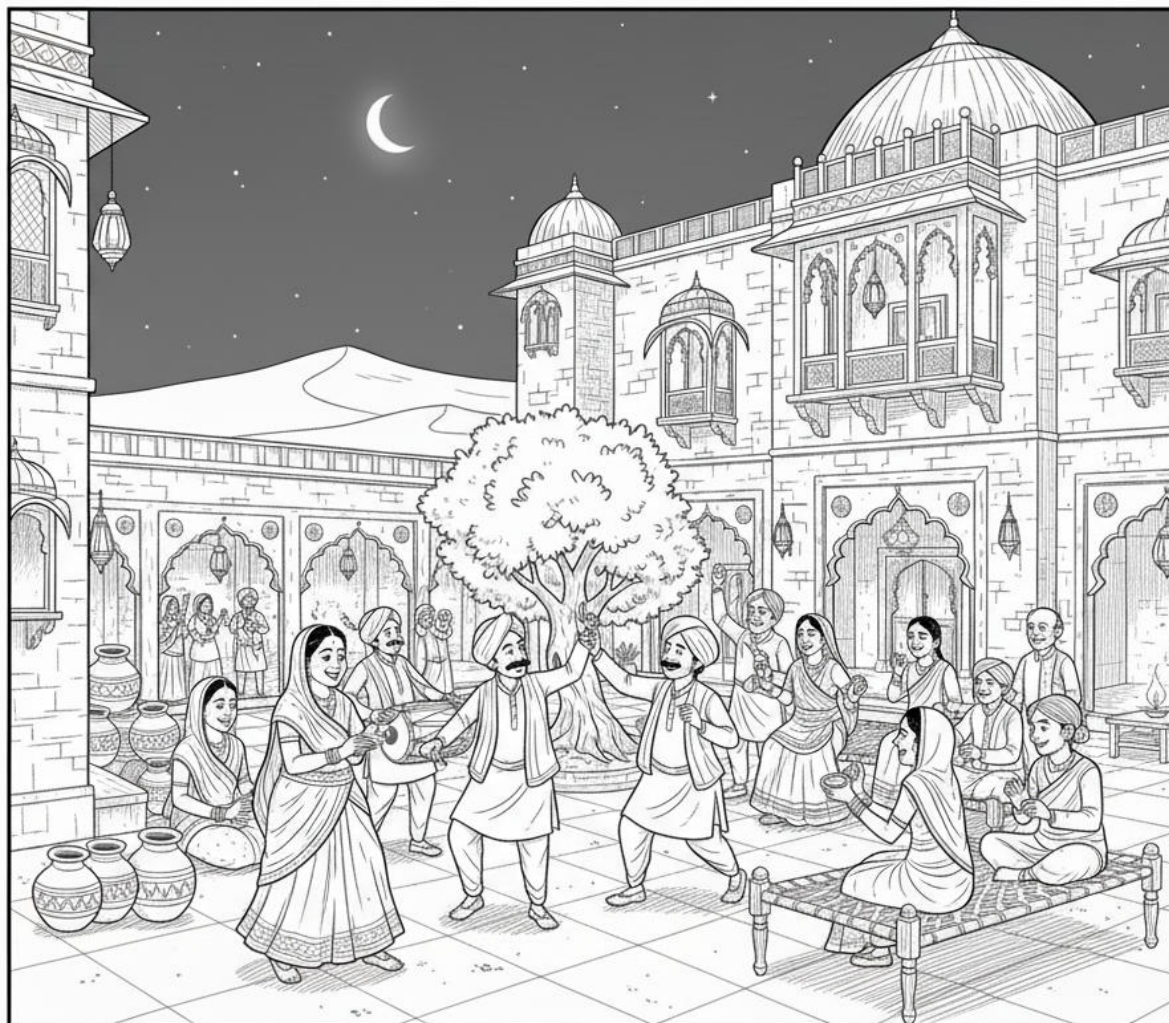


एज़ि बुशै तिउंरै सौमज़ दि आइ गोइ थी,
एज़ि बौज़ै कौइ तिउं डोखरौउं दि
मिलियौ काम कियौ औज़ि तिउंरी
छेउडियै बी आपस माइं मिलियौ काम
कौरदि लागी ।



Page 11

पेटारै बी ऐबै खिलोनौउँ एक साथी
मिलियौ खेलदै लागै। कौइंचा,
कांऽणियै, पतंग, ऐबै सारिउँ री औइ
गोइ थी। आराम आराम कौइ गौरेदि
शान्ति औन्दि लागी।



Page 12

तिव्वरु मरुइं मैदरुन दि सरै ज़ौणै मिलियौ
गीत गरुयैण थै, औज़ि सरै ज़ौणै बौरुी
खुश औयैण थै । औज़ि मिलियौ बुशै बी
लरुयैण थै ।

For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.

यह किताब NLCI के द्वारा तैयार की गई है।

हम मात्रभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें।

और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मात्रभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मात्रभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मात्रभाषा में वयस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मात्रभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मात्रभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

.....,धन्यवाद,.....

